ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

नाम में क्या है ?

कक्षा –vii

विषय –हिन्दी

पाठ -6

PPT-1

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ प्रवेश

- इस पाठ में केवल नाम प्रधानता देने वाले लोगों पर व्यंग्य किया गया है । नाम से नहीं ,अपितु काम के द्वारा नाम की महिमा बढ़ जाती है । संसार कर्म प्रधान है ,इसलिए कर्म करना चाहिए । गीत में श्रीकृष्ण ने भी कर्म करने को कहा है । प्रस्तुत पाठ में नाम के महत्व से ज्यादा कर्म की प्रधानता के बारें में चर्चा किया गया है । संसार कर्ममय है । कर्म के बिना जीवन का अस्तित्व असंभव है । नाम केवल पुकारने केलिए होता है । नाम शुभ और अशुभ नहीं होता है । कुछ लोगों के मन में यह बैठ जाता है कि नाम अच्छा नहीं है मतलव उनका सब कुछ बुरा होगा । यह गलत सोच को दिल और दिमाग से निकाल देना चाहिए । लोग अपने कर्म के कारण संसार में जाने जाते है । इसलिए अच्छे नाम पीछे न भाग कर केवल अच्छा कर्म करना चाहिए ।

संबधित प्रश्न

- आप का नाम क्या है ?
- आप के नाम का अर्थ क्या है ?
- क्या आप को अपना नाम अच्छा लगता है ?यदि हाँ तो क्यों यदि ना तो क्यों ?
- इस संसार में किसका महत्व है नाम का या काम का ?
- बुरा नाम होने से लोग क्यों दुखी होते हैं ?
- यदि आपको कोई आपके नाम से आपको बुरा भल। कहेगा तो आप को कैसा अनुभव होगा ?
- यदि आप कर्म नहीं करोगे तो क्या होगा ?

पाठ का सारांश

- नाम में क्या है? यह एक व्यंग्यात्मक लेख है। इसमें कर्म की प्रधानता पर बल दिया है। कर्म (काम) को महत्त्व देते हुए व्यक्ति के नाम 'पुकारने' की संज्ञा दी है। तक्षशिला के महाविद्यालय में पापक एक विद्यार्थी को अपना नाम बिलकुल नापसंद था उसके मित्र भी उसे पापी, पापक आदि नामों से संबोधित करते थे इसलिए यह अत्यंत दुखी था। उसने अपने गुरु से अपना नाम बदलने के लिए आग्रह किया इस पर गुरु जो ने उसे सच्चाई से अवगत कराने के लिए स्वयं अपना नाम ढूँढने के लिए कहा। वह कई गाँव घूमा उसने हर जगह वही पाया कि किसी भी व्यक्ति का नाम उसके गुणों के अनुरूप नहीं था। अंत में वह इस नतीजे पर पहुँचा कि नाम तो केवल पुकारने के लिए होता है किंतु व्यक्ति की पहचान उसके काम से होती है। पापक को अब यह बात भली-भाँति समझ में आ गई कि व्यक्ति का नाम भले ही अच्छा हो न हो उसके कर्म अच्छे होने चाहिए अर्थात् व्यक्ति को गुण तथा चरित्र के अनुसार मान-सम्मान मिलता है।

सामान्य उद्देश्य -

नाम अच्छा है या बुरा, इस विषय में न सोचना

नाम पर नहीं काम पर विश्वास करना।

शब्द भंडार, उच्चारण तथा अन्य व्याकरण विषयों को जानना।

विशिष्ट उद्देश्य –

आपके द्वारा किए गए अच्छे कार्यों से ही आपके नाम की सार्थकता सिद्ध होगी। • सतत कार्य करते रहो, यही जीवन का आधार है।

प्रश्नों के उत्तर देने के लिए छात्रों को प्रेरित करेंगे।

पाठ के भाव को पूर्णतः समझाने का हर संभव प्रयास करेंगे। • छात्रों द्वारा दिए गए उत्तर का विश्लेषण तथा आवश्यकतानुसार सुधार करेंगे।

पाठ का पठन छात्रों से करवाएँगे। उन कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखेंगे, जिनके उच्चारण में छात्रों को कठिनाई हुई शब्दों का उच्चारण स्वयं करेंगे तथा छात्रों को उन्हें दुहराने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य –पाठ को पढ़कर कष्ट शब्दों को रेखांकित करो ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP